भा. कृ. अनु. प.-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,

क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

बारा क्षेत्र के साधनहीन अनुसूचित जाति किसानों को प्रशिक्षण तथा सामग्री वितरण

आईसीएआर-सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों को वैज्ञानिक तरीके से फसल उत्पादन लेने के लिए लवण सहनशील गेंहूँ की किस्म (KRL-210) का बीज, उर्वरक (यूरिया) तथा जैविक तरल खाद वितरित किए। यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति परियोजना के अंतर्गत 20 नवम्बर, 2024 को केंद्र के समनी प्रायोगिक फार्म में आयोजित किया गया। भरूच जिले के दो तालुकाओं (जम्बूसर तथा आमोद) के 21 गांवों (अनोर, कुरचन, केसलू, करेला, तनछा, घमनाद, केलोद, छिद्रा, अणखी, कावली, करमाड, कांतव, टुंड़ज, कोरा, किमोज, रुनाड, पीलूदा, नहार, कावा, जंत्राल, उच्छद) के 35 अनुसूचित जाति के किसानों को बीज तथा अन्य सामग्री वितरित की गयी। परीक्षण के लिए किसानों को एक एकड़ क्षेत्र के लिए 40 किलोग्राम गेंहू का बीज, 90 किलोग्राम यूरिया तथा नवसारी कृषि विश्विद्यालय द्वारा बनाया गया केले के तने से बना हुआ जैविक तरल उर्वरक "नोवेल" भी किसानों को वितरित किया गया। अनुसूचित जाति के किसानों से आधार कार्ड, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी और मोबाइल नंबर और हस्ताक्षर लिए गए। केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिच्मालात्पुरे के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ| केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मोनिका शुक्ला ने फसल के अभ्यास पैकेज, वितरित सामग्री के बारे में वैज्ञानिक जानकारी और अपने विषयों से संबंधित अन्य प्रासंगिक जानकारी किसानों को प्रदान की। किसानों को उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी गई| सामग्री वितरण तथा ट्रेनिंग के दौरान संस्थान के अधिकारी चंपक तवियाड, बलवंत डामोर तथा दिलीप वाघेला, उपस्थित रहे तथा अपना सहयोग प्रदान किया|